भारत सरकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या : *42

उत्तर देने की तारीख : 03.02.2026

नशा मुक्त भारत अभियान

***42. श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर:**

क्या **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) के अंतर्गत महाराष्ट्र में शुरू किए गए 'पहुंच' (आउटरीच) और जागरूकता कार्यकलापों का ब्यौरा क्या है और इनमें कितने कार्यक्रम आयोजित किए गए, उनमें कितने प्रतिभागियों ने भाग लिया और इनसे संबंधित शैक्षणिक संस्थाओं, युवा क्लबों, महिला समूहों, मीडिया अभियानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, मास्टर स्वयंसेवकों और ई-प्रतिज्ञाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) महाराष्ट्र में, विशेषकर पुणे और मुंबई में उक्त कार्यक्रमों के प्रभाव/परिणाम का ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्तमान में महाराष्ट्र में कुल कितने पुनर्वास केन्द्र कार्यशील हैं; और

(घ) क्या सरकार का विचार युवाओं में नशे की लत की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए इस पहल में तेजी लाने तथा इसके दायरे को और अधिक व्यापक बनाने का है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री

(डॉ. वीरेन्द्र कुमार)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

"नशा मुक्त भारत अभियान" के संबंध में श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 42, जिसका उत्तर दिनांक 03.02.2026 को दिया जाना है, के उत्तर में विवरण।

(क): नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) के तहत 2023-2024 और 2024-2025 में महाराष्ट्र में की गई आउटरीच और जागरूकता गतिविधियों का विवरण इस प्रकार है: -

क्र.सं.	विवरण	2023-2024	2024-2025	कुल
1	कुल गतिविधियां/कार्यक्रम	296	1,335	1,631
2	प्रतिभागियों की कुल संख्या	1,25,079	2,95,623	4,20,702
3	शैक्षणिक संस्थानों की कुल संख्या	839	2,122	2,961
4	यूथ क्लबों की कुल संख्या	38	07	45
5	महिला समूहों/एसएचजी की कुल संख्या	03	03	06
6	प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कुल संख्या	03	01	04
7	मास्टर स्वयंसेवकों की कुल संख्या	08	0	08
8	ई-प्रतिज्ञाओं की कुल संख्या	300	21,715	22,015
9	ऑफलाइन प्रतिज्ञाओं की कुल संख्या	1,05,340	96,325	2,01,665

(ख): महाराष्ट्र में युवाओं, महिलाओं, और शैक्षणिक संस्थानों को जागरूक करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। महाराष्ट्र में इन कार्यक्रमों (2023-2024 और 2024-2025) में 1631 गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनके माध्यम से 4,20,702 लोगों, 2,961 शैक्षणिक संस्थानों, 45 यूथ क्लबों तक पहुंचा गया है तथा 2,23,680 लोगों द्वारा प्रतिज्ञाएं ली गई हैं। पुणे और महाराष्ट्र का विवरण नीचे दिया गया है:

वित्त वर्ष 2023-2024 और वित्त वर्ष 2024-2025			
क्र.सं.	**विवरण**	**पुणे**	**मुंबई**
1	कुल जागरूकता सृजन गतिविधियां	80	38
2	प्रतिभागियों की कुल संख्या	6804	52,996
3	शैक्षणिक संस्थानों की कुल संख्या	156	132
4	यूथ क्लबों की कुल संख्या	0	9
5	महिला समूहों/एसएचजी की कुल संख्या	0	2
6	ई-प्रतिज्ञाओं की कुल संख्या	2915	3894
7	ऑफलाइन प्रतिज्ञाओं की कुल संख्या	526	39216

(ग): वर्तमान में, महाराष्ट्र राज्य में कुल मिलाकर **54** पुनर्वास केंद्र कार्यरत हैं, जिनमें **43** नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के पीड़ित व्यक्तियों हेतु एकीकृत पुनर्वास केंद्र (आईआरसीए); **08** जिला नशामुक्ति केन्द्र (डीडीएसी); और **03** व्यसन उपचार केन्द्र (एटीएफ) शामिल हैं।

(घ): युवाओं में नशीले पदार्थों के बढ़ते सेवन को ध्यान में रखते हुए, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और अधिक फोकस करते हुए सुव्यवस्थित और व्यापक प्रयासों से जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न प्रकार के कदम उठा रहा है। इसके कुछ उल्लेखनीय परिणाम इस प्रकार हैं: -

(i) सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा 15.08.2020 को पहचाने गए 272 सबसे संवेदनशील जिलों में प्रमुख जन जागरूकता अभियान, 'नशा मुक्त भारत अभियान' (एनएमबीए) शुरू किया गया था। बाद में, इसका 15.08.2023 से देश के सभी जिलों में विस्तार कर दिया गया है।

(ii) अब तक, एनएमबीए देशभर में विभिन्न स्तरों पर आयोजित 8.13 से अधिक लाख गतिविधियों के माध्यम से 9.32 करोड़ से अधिक युवाओं, 6.35 करोड़ से अधिक महिलाओं, 16.07 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थानों और 28,000 से अधिक मास्टर स्वयंसेवकों सहित 25.87 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा है।

(iii) मंत्रालय द्वारा नशामुक्ति के लिए एक टोल-फ्री हेल्पलाइन 14446 का मेन्टेनेंस किया जा रहा है जिसके माध्यम से सहायता मांगने वाले व्यक्तियों को प्राथमिक परामर्श और तत्काल रेफरल सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसकी स्थापना के बाद से अब तक 4.56 लाख से अधिक कॉल प्राप्त हुई हैं।

(iv) मंत्रालय ने आठ (8) आध्यात्मिक संगठनों नामत: दी आर्ट ऑफ लिविंग, ब्रह्मकुमारी, संत निरंकारी मिशन, इस्कॉन, श्री रामचन्द्र मिशन, अखिल विश्व गायत्री परिवार, शिवानंद योग वेदांत धन्वंतरी आश्रम और पतंजलि विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि इस अभियान को बढ़ावा दिया जा सके और युवाओं, महिलाओं तथा शैक्षणिक संस्थानों पर विशेष ध्यान देते हुए देशभर में जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा सकें।

(v) राज्यों में, युवाओं को ज्ञान एवं मनोरंजन से जुड़ी पहल से जोड़ा गया है, जैसे कि असम में कठपुतली शो, मणिपुर में पतंगबाजी, पंजाब में फ्लैश मॉब, सिक्किम, तमिलनाडु तथा दमन और दीव में क्षमता निर्माण कार्यशालाएं। मध्य प्रदेश में युवाओं के नेतृत्व में एक जिला नवाचार केंद्र इस अभियान के लिए रचनात्मक अभियान चलाता है।

*****